

# कृषि अभियांत्रिकी दर्पण



खेत, भोजन, जीवन

जनवरी एवं जुलाई २०२१  
संयुक्तंक ३८-३९

**75** भारत  
अमृत  
महोत्सव  
हर राह पर बढ़ते कदम



भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान  
भोपाल - ४६२०३८



## कृषि अभियांत्रिकी दर्पण

## सूची

जनवरी एवं जुलाई २०२१  
संयुक्तांक ३८-३९

### संरक्षक

डॉ. सी आर मेहता  
निदेशक

### प्रधान संपादक

डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी  
प्रधान वैज्ञानिक

### संपादक

डॉ. मुकेश कुमार  
वैज्ञानिक

डॉ. सत्य प्रकाश कुमार  
वैज्ञानिक

डॉ. दिलीप पवार  
वैज्ञानिक

डॉ. बिक्रम ज्योति  
वैज्ञानिक

पत्रिका में प्रकाशित लेख और शोध पत्र लेखक की अपनी निजी राय है। संपादक मंडल उनके निजी विचार की जिम्मेदारी नहीं लेते है। लेख और शोध पत्र की सूचना लेखक से प्राप्त किया जा सकता है।

### इस अंक में...

१. पोस्ट होल डिगर: बागवानी फसलों की खेती के लिए एक बहुपयोगी मशीन
२. नारियल दूध और तेल निकालने के लिए प्रयोग में आने वाली मशीनों का विवरण
३. भारत में उपलब्ध सोयाबीन एवं झाड़ीनुमा फसलों को काटने वाली व्यावसायिक मशीनें
४. यंत्रीकृत कृषि के लिए मोबाइल ऐप
५. लीची के वृक्षों में छालभक्षी कीटों का प्रबंधन हस्तचालित उपकरण द्वारा
६. कृषि में पौधा संरक्षण रसायनों के उपयोग से दुर्घटनाएँ, कारण एवं सावधानियाँ
७. ग्रीन-हाउस में इंटरनेट से जुड़े उपकरणों पर आधारित निगरानी प्रणाली
८. कम मानवीय हस्तक्षेप के साथ बेहतर सिंचाई तकनीक
९. झारखंड के वर्षा आधारित क्षेत्र में धान की खेती की तकनीकियाँ और उनके उपयोग
१०. हाइड्रोपोनिक्स (जलीय कृषि): उच्च ऊंचाई क्षेत्रों में मृदारहित शाक-भाजी उत्पादन के लिए एक सक्षम कृषि प्रौद्योगिकी
११. कृषि योग्य जमीन में भूमि और जल संरक्षण के तरीके
१२. पूर्वांचल में बढ़ते केले की खेती तथा किसान की सफलता की कहानी
१३. सूक्ष्म शैवाल (माइक्रो एल्गी): जैव ईंधन और उच्च मूल्य उत्पाद का अनशोषित स्रोत
१४. थार रेगिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों में सौर परवलिय संकेन्द्रक आधारित अलवणीकरण युक्ति का रेखांकन, निर्माण एवं निष्पादन
१५. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में एंजाइम: एक संक्षिप्त विवरण

### प्रकाशक

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान

नबीबाग, बैरसिया रोड, भोपाल - ४६२०३८

टेलीफोन नंबर: +९१-७९९-२७३७१९१, २७२१००१

ईमेल: director.ciae@icar.gov.in

<https://ciae.icar.gov.in>

# विषय सूची

01	पोस्ट होल डिगर: बागवानी फसलों की खेती के लिए एक बहुपयोगी मशीन डी. एस. थोरात, मन मोहन देव, आर.आर.पोतदार	01
02	नारियल दूध और तेल निकालने के लिए प्रयोग में आने वाली मशीनों का विवरण मन मोहन देव, एम. आर. मनिकंठन, ओम प्रकाश, बिक्रम ज्योति, कृष्ण प्रकाश	06
03	भारत में उपलब्ध सोयाबीन एवं झाड़ीनुमा फसलों को काटने वाली व्यावसायिक मशीनें मनोज कुमार	10
04	यंत्रीकृत कृषि के लिए मोबाइल ऐप एन.एस. चंदेल, दिलीप जाट, विकास पाराडकर, एस.पी. कुमार, विजय कुमार	14
05	लीची के वृक्षों में छालभक्षी कीटों का प्रबंधन हस्तचालित उपकरण द्वारा स्वीटी कुमारी, मनीष कुमार, रमेश कुमार सहनी, राहुल पोतदार	18
06	कृषि में पौधा संरक्षण रसायनों के उपयोग से दुर्घटनाएँ, कारण एवं सावधानियाँ नंदनी ठाकुर, कमल नयन अग्रवाल, राहुल राजाराम पोतदार	20
07	ग्रीन-हाउस में इंटरनेट से जुड़े उपकरणों पर आधारित निगरानी प्रणाली शेख मुख्तार मंसूरी, प्रेमवीर गौतम एवं ओम प्रकाश	24
08	कम मानवीय हस्तक्षेप के साथ बेहतर सिंचाई तकनीक अजिता गुप्ता, मुकेश कुमार, के. वी. आर. राव, योगेश आनंद रजवाड़े एवं रंजय कुमार सिंह	27
09	झारखंड के वर्षा आधारित क्षेत्रों में धान की खेती के लिए तकनीकियाँ और उसका उपयोग डी.के. राघव, पवन जीत, संतोष एस. माली, ए.के. सिंह एवं पी.के. सुन्दरम	32
10	हाइड्रोपोनिक्स (जलीय कृषि): उच्च ऊंचाई क्षेत्रों में मृदारहित शाक-भाजी उत्पादन के लिए एक सक्षम कृषि प्रौद्योगिकी अंकित, सुनील कुमार सिंह, अजिताभ बोरा, बैकुंठ ज्योति गोगई, संजय कुमार द्विवेदी	36
11	कृषि योग्य जमीन में भूमि और जल संरक्षण के तरीके पी. ए. पंड्या, एन. के. गोटिया एवं एच. एच. मशरू	44
12	पूर्वांचल में बढ़ते केले की खेती तथा किसान की सफलता की कहानी विवेक कुमार तिवारी, विवेक चन्द्र वर्मा, अवंतिका एवं शार्दूल्य शुक्ला	50
13	सूक्ष्म शैवाल (माइक्रो एल्गी): जैव ईंधन और उच्च मूल्य उत्पाद का अनशोषित स्रोत स्वप्नजा कु. जाधव, मनोज कुमार त्रिपाठी एवं अनिल कुमार दुबे	53
14	थार रेगिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों में सौर पर्यायिक संकेन्द्रक आधारित अलवणीकरण युक्ति का रेखांकन, निर्माण एवं निष्पादन सुरेन्द्र पुनियाँ, ए.के. सिंह, दिलीप जैन, आर.के.सिंह एवं अमित सिंह	57
15	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में एंजाइम: एक संक्षिप्त विवरण श्रुति द्विवेदी, एम.एन. तनवीर, दिनेश यादव	61

# नारियल दूध और तेल निकालने के लिए प्रयोग में आने वाली मशीनों का विवरण

मन मोहन देव<sup>1</sup>, एम. आर. मनिकंठन<sup>2</sup>, ओम प्रकाश<sup>3</sup>, बिक्रम ज्योति<sup>4</sup>, कृष्ण प्रकाश<sup>5</sup>

<sup>1</sup>वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर

<sup>2</sup>प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कसारगोड

<sup>3</sup>वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

<sup>4</sup>वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल

<sup>5</sup>वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, बरही

## प्रस्तावना

‘कल्पवृक्ष’ के नाम से प्रचलित नारियल ताड़ का हर एक भाग किसी न किसी प्रयोग में आता है। दुनिया भर के कई लाख लोगों के लिए नारियल प्रसंस्करण और उत्पाद आजीविका व जीवनयापन की सुरक्षा प्रदान करते हैं। भारत के कई राज्यों में इसकी खेती बड़े पैमाने पर हो रही है, वहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालते हुए यह दस लाख से अधिक ग्रामीण लोगों को जीविका प्रदान करने का काम भी कर रही है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका सालाना लगभग 83,000 मिलियन रुपये का योगदान है। कीमत में उतार-चढ़ाव और उत्पादन की लागत में वृद्धि के कारण, इस क्षेत्र में किसान हाल के वर्षों में गैर-प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। नारियल के तेल की प्रचलित मूल्य द्वारा देश में नारियल की कीमत निर्धारित होती है और यह आवर्ती रूप से घटते-बढ़ते रहती है। कई तरीके से, मूल्यसंवर्धन और प्रतिफल उत्पाद के उपयोग की सीमा, नारियल तेल संचालित घरेलू बाजार के स्थिरीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो विश्वस्तर पर नारियल आधारित उद्योग को प्रतिस्पर्धी और इस के मूल्य को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक है। नारियल के उच्च मूल्य के उत्पाद जैसे कि वर्जिन नारियल का तेल, सक्रिय कार्बन खोल, और नए खाद्य वस्तुओं के उत्पादन एवं विपणन की प्रक्रिया नारियल की खेती की स्थिरता में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इन उत्पादों में से कई सामुदायिक स्तर के प्रसंस्करण के लिए बहुत उपयुक्त हैं। हालांकि, नारियल के सामुदायिक स्तर के प्रसंस्करण के लिए, उचित प्रसंस्करण की तकनीक और उपयुक्त मशीनरी विकसित करने की जरूरत है। केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान द्वारा किये गए प्रयासों से ‘नारियल में मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए कई उपकरणों के प्रोटोटाइप का विकास किया गया है, जो नारियल प्रसंस्करण क्षेत्र के उद्यमियों के आवश्यकता के अनुरूप है। विभिन्न प्रकार के नारियल दूध एवं नारियल तेल निकालने के यंत्र का निर्माण किसानों एवं उद्यमियों की सहायता के लिए किया गया है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

## हस्तचालित नारियल दूध निकालने की मशीन

नारियल की झंझरी से नारियल का दूध निकालने की दो हस्तचालित मशीनें (चित्र 1) उपलब्ध हैं। दोनों मशीनें हस्तचालित वर्टिकल पेंच प्रेस के समान हैं। नारियल झंझरी को एक छिद्रित सिलेंडर में रखकर, पेंच के शीर्ष पर मौजूद हैंडल को घुमाकर दबाया जाता है। छिद्रित सिलेंडर के लिए एक बाहरी आवरण प्रदान की जाती है, जो इस प्रक्रिया के दौरान दूध के उछल कर बाहर गिरने से बचाता है। पहली मशीन में, हैंडल को हाथ से घुमाकर, दबाने की पूरी प्रक्रिया की जाती है। दूसरी मशीन में, एक अतिरिक्त हाइड्रोलिक जैक तल पर प्रदान की जाती है। हैंडल की सहायता से अधिकतम दबाव देने के बाद हाथों से ही नीचे से हाइड्रोलिक जैक



चित्र 1. हस्तचालित नारियल दूध निकालने की मशीन

को चलाया जाता है। ऐसा करने से, प्लेटफार्म जो सिलेंडर को पकड़े रहता है, ऊपर उठता है और नारियल झंझरी को दबाता है। इस हाइड्रोलिक जैक का उपयोग कर, आसानी से आठ टन के दबाव को लगाया जा सकता है, जिससे निकासी दक्षता को भी काफी बढ़ाया जा सकता है।

## हाइड्रो-न्यूमैटिक नारियल दूध निकालने की मशीन

हाइड्रो- न्यूमैटिक ऊर्जा पर आधारित नारियल का दूध निकालने की विभिन्न क्षमताओं की दो मशीनों (चित्र 2) का विकास, बड़े पैमाने पर दूध की निकासी के लिए किया गया। दोनों मशीनों के संचालन को पूरी तरह से एक प्रोग्राम तार्किक नियंत्रक (पी.एल.सी.) का उपयोग कर स्वचलित बनाया जाता है। उपयोगकर्ता, इन मशीनों के संचालन को नए प्रोग्राम बनाकर नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे कि निकासी के लिए दबाव, आवृत्ति और उसकी अवधि पर प्रोग्राम तार्किक नियंत्रक का उपयोग कर आवश्यकता के अनुसार नियंत्रण कर सकते हैं। ये नारियल के दूध के प्रसंस्करण के उद्योगों और वर्जिन नारियल तेल उत्पादन केंद्रों में नारियल दूध के बड़े पैमाने पर निकासी के लिए उपयोगी होते हैं। छोटी मशीन जहाँ 250 नारियल / घंटा की क्षमता हासिल कर सकती है वही बड़ी मशीन 500 नारियल / घंटा की क्षमता प्राप्त कर सकती है।



चित्र 2. हाइड्रो- न्यूमैटिक नारियल दूध निकालने की मशीन

## सिंगल पेंच की नारियल दूध निकालने की मशीन

नारियल का दूध निकालने के लिए 1.1 किलोवाट की बिजली से चालित 1415 आरपीएम (घूर्णन प्रति मिनट) पर घूमने वाली एक इंडक्शन मोटर की जरूरत होती है, जो प्राइम मोवर का काम करती है। इस शक्ति द्वारा एक बेल्ट-पुल्ली तथा गति कम करने वाले रिडक्शन गियर की सहायता से पेंच (स्कू) को संचालित किया जाता है। पेंच की गति 14 घूर्णन प्रति मिनट की होती है। सिंगल पेंच की इस मशीन (कोकोनट मिल्क एक्सपेलर) (चित्र 3) को अधिकतम निकासी दक्षता प्राप्त करने के लिए स्टेनलेस स्टील से बनाया जाता है। झरनी में निकासी द्वारा छिद्रों के जाम होने की सम्भावना को बिल्कुल कम किया जाता है। मशीन के सभी संपर्क भागों का निर्माण फूडग्रेड स्टेनलेस स्टील से किया गया है। इस मशीन की क्षमता प्रति घंटे 300 नारियल है।



चित्र 3. सिंगल पेंच की नारियल दूध निकालने की मशीन

## शीतलन प्रणाली युक्त नारियल दूध निकालने की मशीन

नारियल गिरी से दूध निकालने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें उपलब्ध हैं। इन मशीनों में पेंच जैसी मशीनें लोगों को पसंद है, क्योंकि इसमें उच्च दूध निकासी क्षमता होती है। हालांकि, जब नारियल गिरी को दबाव दिया जाता है तो यह निकास द्वार के पास गर्म होकर निकलता है। इस निकास के दौरान उत्पन्न गर्मी को कम करने के लिए, एक शीतलन प्रणाली प्रदान की जाती है। मूल रूप से शीतलन प्रणाली युक्त नारियल दूध निकालने की मशीन (चित्र 4), एक एकल पेंच प्रणाली है। ठंडा करने के लिए पेंच के निकास द्वार के पास एक गुहा उपलब्ध कराई जाती है, क्योंकि पेंच के द्वारा अधिकतम दबाव निकास द्वार के पास ही डाला जाता है और इसलिए गर्मी निकास के पास ही ज्यादा होती है। इस गुहा के माध्यम से पानी को प्रसारित करने का प्रावधान किया गया है। नारियल के संपीड़न से उत्पन्न गर्मी को, ठंडे पानी को प्रसारित कर, कम किया जाता है। पानी संचालन दर को नियंत्रित करके, तापमान को आवश्यक सीमा के भीतर बनाए रखा जा सकता है। मशीन के सभी संपर्क भागों का निर्माण फूडग्रेड स्टेनलेस स्टील का उपयोग कर किया जाता है। ये मशीन, कोल्ड प्रेस की प्रक्रिया द्वारा वर्जिन नारियल तेल का उत्पादन करने में बहुत ही मददगार साबित होगी। यह मशीन प्रति घंटे 300 नारियल की क्षमता रखती है।



चित्र 4. शीतलन प्रणाली युक्त नारियल दूध निकालने की मशीन

## दो पेंच युक्त नारियल दूध निकालने की मशीन

नारियल से दूध निकालने के लिए एकल पेंच (स्कू) की तुलना में दोहरे पेंच का प्रयोग किया जाता है। इससे अधिकतम निकासी दक्षता प्राप्त करने के लिए स्टेनलेस स्टील से बनाया जाता है। झरनी में निकासी को इस तरह से बनाया जाता है कि हर एक बाहर की ओर ही फैलता है। यह इन छिद्रों के जाम होने की सम्भावना को बहुत ही कम कर देता है। मशीन के सभी संपर्क भागों का निर्माण फूडग्रेड स्टेनलेस स्टील से किया गया है। अधिकतम दूध दो बार में ही इस प्रक्रिया द्वारा निकाला जा सकता है। दूध निष्कर्षण दक्षता समान ही बनी रहती है जब नारियल गिरी को दलन या बिना दलन के ही इस मशीन में डाला जाता है। यह मशीन, नारियल दूध के निष्कर्षण में शामिल सभी इकाइयों के लिए बहुत मददगार साबित होगी। मशीन की क्षमता प्रति घंटे 1000 नारियल है।



चित्र 5. दो पेंच युक्त नारियल दूध निकालने की मशीन

## किण्वन टैंक (फर्मेंटेशन टैंक)

प्राकृतिक किण्वन द्वारा ताजा नारियल के दूध से नारियल के तेल को सीधे निकाला जा सकता है। नारियल के दूध को किण्वन टैंक (चित्र 6) में 20 से 24 घंटे के लिए रखा जाता है। किण्वन कंटेनर, एक बेलनाकार, पारदर्शी प्लास्टिक या स्टेनलेस स्टील (फूडग्रेड) से बना कंटेनर है, जो नीचे की ओर शंक्वाकार होता है तथा उसमें तेल निकालने के लिए एक नल भी लगा होता है। विभिन्न परतों को आसानी से देखने के लिए एक दृष्टि ग्लास (शीशा) भी लगी होती है। अनुकूल परिस्थितियों में, तेल स्वाभाविक रूप से पानी और प्रोटीन से अलग होता है। हवाजनित लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया, प्रोटीन के बंधन को तोड़ने की क्षमता रखता है तथा नारियल के दूध के मिश्रण से वर्जिन नारियल तेल को अलग करता है। वर्जिन नारियल तेल, दृष्टि ग्लास में दिखाये स्तर के आधार पर, नल से संग्रहित किया जा सकता है।



चित्र 6. किण्वन टैंक (फर्मेंटेशन टैंक)

## नारियल सिरका छानना

नारियल सिरका छानना (चित्र 7), नारियल सिरका को छानने में प्रयुक्त होने वाला एक यंत्र है, जिसमें सिरका को रेत और सक्रिय कार्बन की एक परत से गुजारा जाता है। इस यंत्र की क्षमता 5 लीटर/ बैच/ 2 घंटे है।



चित्र 7. नारियल सिरका छानना

## वर्जिन नारियल तेल निकालने के लिए कुकर

वर्जिन नारियल तेल निकालने के लिए कुकर (चित्र 8), संस्थान द्वारा विकसित नारियल के दूध से, वर्जिन नारियल तेल निकालने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह ऊष्मा सम्बंधी तरल पदार्थ से भरा एक डबल तख्ताबंदी वाला जैकेट होता है। कुकर में रखे नारियल दूध में ऊष्मा के कुशलतापूर्वक हस्तांतरण के लिए तरल पदार्थ का उपयोग किया जाता है। नारियल दूध में हलचल करने वाले घोलक दूध में उष्मीय ऊर्जा को समान रूप से वितरित करने में मदद करते हैं, जिनके अगले हिस्से टेफ्लॉन के बने होते हैं। ये विद्युत चालित मोटर (एक अश्वशक्ति) तथा रिडक्शन गियर के माध्यम से ऊर्जा प्राप्त कर संचालित होते हैं। कुकर तल के नीचे से तेल निकालने के लिए निकास द्वार पर लीवर से जुड़ा एक दरवाजा प्रदान किया जाता है। तेल की निकासी और संग्रहण को आसान बनाने के लिए कुकर को जमीन से पर्याप्त ऊंचाई के साथ तीन पैरों के स्टैंड पर रखा जाता है। थर्मामीटर द्वारा तरल पदार्थ (उष्मीय द्रव) के ताप को माप कर 100 से 120 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान को नियंत्रित किया जाता है। उष्मीय द्रव कक्ष में अतिरिक्त दबाव को नियंत्रण में रखने के लिये एक सुरक्षा वाल्व होता है। तापक (हीटिंग) कक्ष के तल पर प्रदान किये गए दो बर्नर की सहायता से कुकर को गर्म किया जाता है। बायोगैस या रसोईगैस (एक किलोग्राम प्रति घंटे की दर से) ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी भी क्षमता के वर्जिन नारियल तेल कुकर का निर्माण आवश्यकतानुसार किया जा सकता है। वर्जिन नारियल तेल कुकर की क्षमता 125 लीटर है, लेकिन उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार किसी भी क्षमता तक बढ़ाया जा सकता है।



चित्र 8. वर्जिन नारियल तेल निकालने के लिए कुकर

## कृषि अवशिष्ट चालित वर्जिन नारियल तेल कुकर

कृषि अवशिष्टचालित वर्जिन नारियल तेल कुकर (चित्र 9) का उपयोग भी नारियल के दूध से वर्जिन नारियल तेल निकालने में किया जाता है। इसमें ऊष्मा संबंधी तरल पदार्थ से भरा एक डबल तख्ता बंदी वाला जैकेट होता है। ऊष्मा संबंधी तरल पदार्थ, कुकर में रखे नारियल दूध में ऊष्मा का कुशलतापूर्वक हस्तांतरण करता है। चार घोलक जिनका अगला हिस्सा टेफ्लॉन का बना होता है, नारियल दूध में हलचल करने के लिए प्रदान की जाती है। यह कुकर में रखे नारियल के दूध में उष्मीय ऊर्जा को समान रूप से वितरित करने में मदद करता है। घोलक को एक विद्युत चालित मोटर (एक-अश्व शक्ति का) तथा रिडक्शन गियर के माध्यम से ऊर्जा मिलती है। बाहरी निकास द्वार के साथ, एक लीवर से जुड़ा एक दरवाजा, कुकर तल के नीचे से तेल निकालने के लिए प्रदान की जाती है। कुकर से तेल की निकासी एवं आसान संग्रह के लिए, जमीन से पर्याप्त ऊंचाई का, तीन पैरों का स्टैंड बनाया गया है। इसमें उष्मीय तरल पदार्थ से भरे एक दोहरे तख्ता बंदी वाला जैकेट होता है। इस कुकर को किसी भी कृषि अपशिष्ट, मुख्यतः नारियल के खोल को जलाकर गर्म किया जाता है। ईंधन को डालने के लिये आगे की ओर एक सुराख बना होता है। धुआं दूर करने के लिए एक निकास विपरीत दिशा में प्रदान की जाती है और ईंधन के आसान दहन के लिए घर के बाहर एक चिमनी से यह जुड़ा होता है। वर्जिन नारियल तेल कुकर की क्षमता 75 लीटर है। हालांकि, इस प्रकार के वर्जिन नारियल तेल कुकर की क्षमता को उपयोगकर्ता के आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।



चित्र 9. कृषि अवशिष्टचालित वर्जिन नारियल तेल कुकर